NEWS CLIPPING: 21.12.2016

HINDUSTAN

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि और नगर निगम प्रशासन के बीच हुई बैठक में लिया गया निर्णय

वाईएमसीए के छात्रों को जल्द मिलेगा मीठा पेयजल

अच्छी खबर

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों को जल्द ही खारे पानी से छुटकारा मिलेगा। विश्वविद्यालय परिसर में जल्द ही मीठे पानी की आपूर्ति शुरू की जाएगी। साथ ही परिसर की सीवेज व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा। ऐसा निर्णय बंगलवार को नगर निगम प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच हुई बैठक में लिया गया। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने अपने कार्यालय में नगर निगम के मुख्य अभियंता ओपी गोयल, अधिशासी अभियंता रमेश बंसल और विवि के कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, उपकुलसचिव डॉ. राजीव कुमार व अधिशासी अभियंता अजय तनेजा आदि के साथ बैठक की।

निगम के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय की जलापूर्ति तथा सीवेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा निगम अधिकारियों ने अवगत करवाया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय की जलापूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है। पानी में टीडीएस की मात्रा अधिक है। इस पानी को पेयजल के रूप में प्रयोग करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जल शोधक संयंत्र भी लगाया गया है जो स्थाई समाधान नहीं है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के सामने निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन परियोजना के कारण सीवेज लाइन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण विश्वविद्यालय को काफी समय से समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

मुख्य अभियंता गोयल ने कुलपति को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की पेयजल आपूर्ति तथा सीवेज व्यवस्था को लेकर समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय को रेनीकेल योजना के तहत की जा रही शहर में की जा रही जलापूर्ति के अंतर्गत ही पीने योग्य मीठा पानी मुहैया करवाया जाएगा। सीवेज लाइन की सफाई करवाई जाएगी, जिससे विश्वविद्यालय में सीवेज जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी।

वाईएमसीए ने करवाई थी पानी की जांच

छात्रों के स्वास्थ्य को ख्याल रखते हुए वाईएमसीए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने परिसर के पानी की जांच जनस्वास्थ्य विभाग की प्रयोगशाला में करवाई थी। प्रशासन की चिंता है कि ज्यादा टीडीएस का पानी पीने से छात्रों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस यूनिवर्सिटी में करीब दो हजार छात्र पढ़ाई करते हैं। इनमें से काफी छात्र हॉस्टल में भी रहते हैं, जिनको हर रोज पानी की जरूरत पड़ती है। पेयजल के लिए टंकी लगाई हुई है। हालांकि पानी की गुणवत्ता का ख्याल रखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन अपने स्तर पर उपाय करता रहता है, लेकिन भूजल की प्रभावित हो रही गुणवत्ता की चिंता यूनिवर्सिटी प्रशासन को भी है।

AMAR UJALA

फैकल्टी डेवलपमेंट : वाईएमसीए विश्वविद्यालय

सुबह 10 बजे : बिग डाटा एनालिसिस विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम।

NEWS CLIPPING: 21.12.2016

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी को निगम जल्द करेगा मीठे पानी की आपूर्ति

यूनिवर्सिटी को सीवरेज की समस्या से भी मिलेगा छुटकारा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी को जल्द ही नगर निगम मीठे पानी की आपूर्ति करेगा। साथ ही यहां की सीवरेज व्यवस्था को भी दुरूस्त किया जाएगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मंगलवार को यहां नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें निगम की ओर से मुख्य अभियंता ओपी गोयल, अधिशासी अभियंता रमेश बंसल और यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डा. एसके शर्मा, उपकुलसचिव डा. राजीव कुमार तथा अधिशासी अभियंता अजय तनेजा मौजूद थे। बैठक में जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था से संबंधित मामलों पर आपसी सहमति बनी। नगर निगम के अधिकारियों ने यूनिवर्सिटी की जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। यूनिवर्सिटी ने निगमाधिकारियों को बताया कि वर्तमान में यूनिवर्सिटी की जलापूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है। इसमें टीडीएस की मात्रा अधिक है। इस पानी को पेयजल के रूप में प्रयोग करने के लिए यूनिवर्सिटी में जलशोधक संयंत्र भी लगा है जो एक स्थाई समाधान नहीं है। इसी प्रकार यूनिवर्सिटी के सामने निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन परियोजना से सीवरेज लाइन में अवरोध होने से यूनिवर्सिटी को काफी समय से समस्या का सामना करना पड़ रहा था। मुख्य अभियंता गोयल ने कुलपति को आश्वासन दिया कि यूनिवर्सिटी की पेयजल आपूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था को लेकर समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा यूनिवर्सिटी को रैनीवेल योजना के तहत की जा रही शहर में की जा रही जलापूर्ति के अंतर्गत ही पीने योग्य मीठा पानी मुहैया कराया जाएगा। इसी प्रकार सीवरेज लाइन की सफाई कराई जाएगी।

NEWS CLIPPING: 21.12.2016

AAJ SAMAJ

विवि को जल्द मीठी जलापूर्ति

नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। आज समाज

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को जल्द ही नगर निगम के माध्यम से मीठे पानी की आपूर्ति होगी तथा विश्वविद्यालय की सीवरेज व्यवस्था को भी दुरूस्त बनाया जाएगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अपने कार्यालय में नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में निगम की ओर से मुख्य अभियंता ओपी गोयल, अधिशासी अभियंता रमेश बंसल और विवि के कुल सचिव डॉ एसके शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार तथा अधिशासी अभियंता अजय तनेजा मौजूद रहे। बैठक में जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर आपसी सहमति बनी। निगम के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय की जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा निगम अधिकारियों ने अवगत करवाया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय की जलापूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है तथा पानी में टीडीएस की मात्रा भी अधिक है।

इस पानी को पेयजल के रूप में प्रयोग करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जल शोधक संयंत्र भी लगाया गया है जो एक स्थाई समाधान नहीं है। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय के सामने निर्माणाधीन मैट्रो रेल लाइन परियोजना के कारण सीवरेज लाइन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण विश्वविद्यालय को काफी समय से समस्या का समाना करना पड़ रहा था।

मुख्य अभियंता गोयल ने कुलपति को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की पेयजल आपूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था को लेकर समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को रेनीवैल योजना के तहत की जा रही शहर में की जा रही जलापूर्ति के अंतर्गत ही पीने योग्य मीठा पानी मुहैया करवाया जायेगा। इसी प्रकार, सीवरेज लाइन की सफाई करवाई जायेगी, जिससे विश्वविद्यालय में सीवरेज जल भराव की समस्या से निजात मिल जायेगा।

NEWS CLIPPING: 21.12.2016

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए विश्वविद्यालय को जल्द मिलेगा मीठा पानी

विश्वविद्यालय को सीवरेज की समस्या से भी मिलेगा छुटकारा

कुलपति के साथ नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारियों की बैठक में बनी सहमति

फरीदाबाद, 20 दिसम्बर (सुरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद को जल्द ही नगर निगम के माध्यम से मीठे पानी की आपूर्ति होगी तथा विश्वविद्यालय की सीवरेज व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया जाएगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज अपने कार्यालय में नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में निगम की ओर से मुख्य अभियंता ओपी गोयल, अधिशासी अभियंता रमेश बंसल और विवि. के कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा, उप कुल सचिव डॉ. राजीव कुमार तथा

वाईएमसीए में कुलपति के साथ बैठक करते निगम अधिकारी (रजत)

अधिशासी अभियंता अजय तनेजा मौजूद थे। बैठक में जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर आपसी सहमति बनी। निगम के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय की जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा निगम अधिकारियों ने अवगत करवाया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय की जलापूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है तथा पानी में टीडीएस की मात्रा भी अधिक है।

इस पानी को पेयजल के रूप में प्रयोग करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जल शोधक संयंत्र भी लगाया गया है जो एक स्थायी समाधान नहीं है। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय के सामने निर्माणाधीन मैट्रो रेल लाइन परियोजना के कारण सीवरेज लाइन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण विश्वविद्यालय को काफी समय से समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

मुख्य अभियंता श्री गोयल ने कुलपति को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की पेयजल आपूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था को लेकर समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को रेनीवैल योजना के तहत की जा रही शहर में की जा रही जलापूर्ति के अंतर्गत ही पीने योग्य मीठा पानी मुहैया करवाया जाएगा। इसी प्रकार, सीवरेज लाइन की सफाई करवाई जाएगी, जिससे विश्वविद्यालय में सीवरेज जल भराव की समस्या से निजात मिल जाएगी।

विवि. के अधिशासी अभियंता ने अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा जल भण्डारण के लिए भूमिगत टैंक का निर्माण पहले से ही कर लिया गया है, जिससे विश्वविद्यालय की जरूरत के अनुसार चौबीसों घंटे जलापूर्ति की जा सकती है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निगम के अधिकारियों को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय के विकास तथा विद्यार्थियों की सुविधाएं देने में पैसे की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही करोड़ों रुपए की नई डांचागत परियोजनाओं को शुरू करने जा रहा है और विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 21 December 2016
epaper.punjabkesari.in//c/15511950

NEWS CLIPPING: 21.12.2016

HADOTI ADHIKAR

वाईएमसीए विश्वविद्यालय को होगी मीठे पानी की आपूर्ति

कुलपति संग नगर निगम के अधिकारियों की बैठक में बनी सहमति

फरीदाबाद, 20 दिसम्बर (अ.स.)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को जल्द ही नगर निगम के माध्यम से मीठे पानी की आपूर्ति होगी तथा विश्वविद्यालय की सीवरेज व्यवस्था को भी दुरूस्त बनाया जायेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज अपने कार्यालय में नगर निगम, फरीदाबाद के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में निगम की ओर से मुख्य अभियंता ओ. पी. गोयल, अधिशासी अभियंता रमेश बंसल और विवि. के कुल सचिव डॉ एस. के. शर्मा, उप कुल सचिव डॉ राजीव कुमार तथा अधिशासी अभियंता अजय तनेजा मौजूद थे। बैठक में जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर आपसी सहमति बनी। निगम के

मंगलवार को फरीदाबाद में वाईएमसीए यूनिर्वसिटी के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

अधिकारियों ने विश्वविद्यालय की जलापूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा निगम अधिकारियों ने अवगत करवाया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय की जलापूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है तथा पानी में टीडीएस की मात्रा भी अधिक है। इस पानी को पेयजल के रूप में प्रयोग करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जल शोधक संयंत्र भी लगाया गया है जो एक स्थाई समाधान नहीं है। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय के सामने निर्माणाधीन मैट्रो रेल लाइन परियोजना के कारण सीवरेज लाइन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण विश्वविद्यालय को काफी समय से समस्या का समाना करना पड़ रहा था।